

उ०प्र० राज्य भण्डारण निगम, लखनऊ।

दिनांक 12-02-2021 को आयोजित प्रेस कान्फेन्स हेतु प्रेस-नोट।

उ०प्र० राज्य भण्डारण निगम एक व्यवसायिक संस्था है, जिसकी स्थापना "दि एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस (डेवलपमेन्ट एण्ड वेयरहाउसिंग) कारपोरेशन्स एक्ट 1956 के तहत राज्य सरकार द्वारा वर्ष 1958 में किया गया। यह एक्ट बाद में रिपील हो कर "दि वेयरहाउसिंग कारपोरेशन एक्ट 1962" के रूप में प्रतिस्थापित हुआ। निगम के समानुपातिक अंशधारी (50 प्रतिशत) राज्य सरकार तथा केन्द्रीय भण्डारण निगम हैं।

निगम का मुख्य कार्य कृषि उपज, बीज, उर्वरक तथा अन्य अधिसूचित वस्तुओं के वैज्ञानिक भण्डारण एवं परिवहन की व्यवस्था करना है। वर्तमान में निगम के भण्डारगृहों में मुख्यतः भारतीय खाद्य निगम द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली हेतु वांछित खाद्यान्न तथा मूल्य समर्थन योजना के तहत क्रय किये गये खाद्यान्न का भण्डारण करना है। इस हेतु भारतीय खाद्य निगम द्वारा निगम के भण्डारगृहों को किराये पर लिया जाता है। भारतीय खाद्य निगम द्वारा भण्डारित खाद्यान्न के भण्डारण व निकासी हेतु उ०प्र० राज्य भण्डारण निगम द्वारा विभिन्न भण्डारगृहों पर हैण्डलिंग व ट्रांसपोर्ट ठेकेदार की ई-टेण्डर के माध्यम से नियुक्ति की जाती है। नियुक्त ठेकेदार द्वारा खाद्यान्न भण्डारण व निकासी के कार्य हेतु श्रमिकों की व्यवस्था स्वयं के संसाधन से की जाती है, जिसका भुगतान भारतीय खाद्य निगम द्वारा किया जाता है। नियुक्त ठेकेदार द्वारा भण्डारण व निकासी के कार्य हेतु लगाये गये श्रमिकों से निगम का कोई सरोकार नहीं होता है।

उ०प्र० राज्य भण्डारण निगम को दिनांक 18.01.2021 को व्हाट्सऐप के माध्यम से निगम के प्रबन्ध निदेशक के निजी सचिव, को अपर मुख्य सचिव (गृह) उ०प्र० शासन के कैम्प कार्यालय से शासन का पत्र सं०-224/सह०-1/2021 दिनांक 13.01.2021 प्राप्त हुआ है, जिसमें श्री एस०के० पाण्डेय, राष्ट्रीय महामंत्री, आलइण्डिया वेयरहाउसिंग कारपोरेशन इम्प्लाइज यूनियन लखनऊ के पत्र दिनांक 07.12.2020 एवं पत्र सं०-4038 दिनांक 11.02.2020 के क्रम में जिलाधिकारी सीतापुर व फतेहपुर को राज्य भण्डारण निगम में कार्यरत श्रमिकों का तत्काल नियमितीकरण करने के निर्देश दिये जाने का उल्लेख था।

पुनः निगम को दिनांक 19.01.2021 को जिलाधिकारी फतेहपुर/सीतापुर को सम्बोधित आलइण्डिया वेयरहाउसिंग कारपोरेशन इम्प्लाइज यूनियन लखनऊ के महामंत्री श्री एस०के० पाण्डेय द्वारा प्रेषित पत्र सं०-AIWHC/U10/ दिनांक 18.01.2021, जिसके साथ शासन का पत्र सं०-224/ सह०-1/2021 दिनांक 13.01.2021 तथा जनपद फतेहपुर पक्का तालाब डिपों पर 410 श्रमिक व जहॉनाबाद में 67 श्रमिक तथा रामकोट में 360 श्रमिक व नेरीकला में 360 श्रमिक कुल 1197 कार्यरत श्रमिकों की तालिका सूची को संलग्न कर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया।

निगम द्वारा शासन के उक्त पत्र पर जारीकर्ता अधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार, अनु सचिव, सहकारिता अनुभाग-1, से पूर्व में प्राप्त पत्र एवं वर्तमान में प्राप्त पत्र पर अंकित हस्ताक्षर में प्रथम दृष्टया भिन्नता परिलक्षित होने पर निगम के पत्र सं०-रा०भ०नि०/12975/वाणिज्य/है०ट्रा०/20-21 दिनांक 22.01.21 द्वारा शासन को उपरोक्त के सन्दर्भ में कार्यवाही हेतु सन्दर्भित किया गया।

पुनः निगम को शासन का एक अन्य पत्र सं०-437/49-2021 दिनांक 27.01.21 प्राप्त हुआ, जिसमें जारीकर्ता अधिकारी श्री शिवाजी सिंह, उप सचिव, सहकारिता अनुभाग-1, उ०प्र० शासन के प्राप्त पत्र पर हस्ताक्षर तथा पूर्व में प्राप्त पत्रों पर अंकित हस्ताक्षर में भिन्नता परिलक्षित हुई, जिसे शासन को निगम के पत्र सं०-रा०भ०नि०/13459/वाणिज्य/है०ट्रा०/शासन/2020-21 दिनांक 03.02.2021 द्वारा इस सन्दर्भ में कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया।

निगम के उपरोक्त पत्रों का संज्ञान लेते हुए शासन ने पत्र सं०-204/49-1-2021 दिनांक 08.02.2021 द्वारा स्पष्ट किया गया है कि उपरोक्त पत्र यथा पत्र सं०-224/सह०-1/2021 दिनांक 13.01.2021 तथा पत्र सं०-437/49-2021 दिनांक 27.01.2021 शासन द्वारा जारी नहीं किया गया है। उपरोक्त पत्र के माध्यम से प्रकरण में एफ०आई०आर० व समुचित कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं। उपरोक्त शासन के निर्देश के क्रम में उ०प्र० राज्य भण्डारण निगम द्वारा पत्र सं०-13861 दिनांक 09.02.21 द्वारा क्षेत्रीय प्रबन्धक लखनऊ व प्रयागराज को प्रथम सूचना रिपोर्ट/समुचित वैधानिक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये। निगम द्वारा पत्र सं०-13860 दिनांक 09.02.21 द्वारा सभी जिलाधिकारियों तथा पुलिस अधीक्षकों को प्रकरण से अवगत कराते हुए आवश्यक कार्यवाही का अनुरोध किया गया है।

अतः सर्व साधारण से अपील है कि ऐसे श्रमिकों की नियुक्ति के सन्दर्भ में किसी तरह के दुष्प्रचार अथवा प्रलोभन में न आये।

कार्यालय उ०प्र० राज्य भण्डारण निगम, लखनऊ।

दिनांक 12-02-2021 को आयोजित प्रेस कान्फेन्स हेतु प्रेस नोट।

विगत 04 वर्षों में उ०प्र० राज्य भण्डारण निगम द्वारा अर्जित उपलब्धियों का विवरण।

- वर्ष 2016-17 में निगम की भण्डारण क्षमता 36.76 लाख मैटन एवं उपयोगिता 78.78 प्रतिशत थी। वर्ष 2019-20 में भण्डारण क्षमता बढ़कर 40.62 एवं उपयोगिता 85.89 प्रतिशत हो गयी।
- वर्ष 2016-17 में निगम की कुल आय रू० 493.85 करोड़ एवं भुद्ध लाभ रू० 45.65 करोड़ था। वर्ष 2019-20 में कुल आय रू० 329.48 करोड़ एवं भुद्ध लाभ बढ़कर रू० 101.76 करोड़ हो गया है।
- निगम द्वारा अपने दोनों अधारियों यथा केन्द्रीय भण्डारण निगम एवं राज्य सरकार को बराबर लाभों का भुगतान किया जा रहा है। वर्ष 2016-17 में दोनों को रू० 1.18 करोड़ का अलग-अलग लाभ दिया गया।
- भण्डारण क्षमता विस्तार के अर्न्तगत कुल 10.18 लाख मैटन क्षमता का सृजन कराया जा रहा है जिसके अर्न्तगत 01.50 लाख मैटन साइलो निर्माण एवं 06.85 लाख मैटन पी०ई०जी० योजना के अर्न्तगत गोदाम निर्माण, मण्डी परिशद से 36 मण्डी समितियों पर प्राप्त भूमि एवं निगम के दो भण्डारगृहों पर 5,000-5,000 मैटन क्षमता के कुल 01.90 लाख मैटन क्षमता के गोदाम निर्माण कराये जा रहे हैं (मण्डी समितियों में निर्मित क्षमता 0.65 लाख मैटन पी०ई०जी० योजना के अर्न्तगत)। उक्त के अतिरिक्त निगम के भण्डारगृहों के कैम्पस में पड़ी रिक्त भूमि पर 0.58 लाख मैटन क्षमता के गोदामों का निर्माण प्रस्तावित है।
- निगम द्वारा केन्द्रीय पूल के अर्न्तगत वर्ष 2016-17 में 05.26 लाख मैटन गेहूँ एवं 14.04 लाख मैटन चावल कुल 19.30 लाख मैटन खाद्यान्न का भण्डारण कराया गया था। वर्ष 2019-20 में 26.15 लाख मैटन गेहूँ एवं 25.82 लाख मैटन चावल कुल 51.97 लाख मैटन खाद्यान्न भण्डारित किया गया।
- कोविड-19 के कारण लगे देाव्यापी लॉकडाउन व अनलॉक में भी निगम द्वारा दिनांक 25.03.2020 से दिनांक 10.02.2021 तक अपने गोदामों में 41.60 लाख मैटन गेहूँ व 41.71 लाख मैटन चावल कुल 83.31 लाख मैटन खाद्यान्न का भण्डारण कराया गया तथा प्रधानमंत्री गरीब योजना के अर्न्तगत 40.60 लाख मैटन गेहूँ एवं 39.55 लाख मैटन चावल कुल 80.15 लाख मैटन खाद्यान्न की रिकार्ड तोड़ निकासी दी गयी।

- सरकार की मं ता के अनुरूप कृशकों की आय को दोगुना करने के उद्दे य से निगम के 19 भण्डारगृहों को भण्डारागार विकास विनियामक प्राधिकरण(डब्ल्यूडीआरए) के अर्न्तगत पंजीकरण कराया गया है। उक्त गोदामों में भण्डारण करने पर कृशकों को 90 प्रतिात तक ऋण की सुविधा उपलब्ध है।
 - निगम द्वारा कृशक प्रसार सेवा योजना के अर्न्तगत खाद्यान्न की सुरक्षा हेतु वर्ष 2019–20 में 43861 कृशकों को प्रािाक्षित किया गया है तथा कीटपरिना क सेवा योजना के अर्न्तगत कृशकों एवं व्यापारियों आदि के भण्डारित स्टाक की सुरक्षा सुनिि चत की जाती है।
 - निगम के कार्यों को और अधिक पारदर्ी बनाये जाने हेतु समस्त प्रक्रियाएं/खरीद ई–टेण्डरिंग अथवा जेम के माध्यम से सम्पन्न करायी जा रही है।
 - आईजीआरएस0 पोर्टल के माध्यम से प्राप्त िाकायतों/प्रकरणों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अर्न्तगत किया जा रहा है।
 - उ0प्र0 भासन के आदे ा के अनुपालन में वर्ष 2001 तक के 521 आकस्मिक/संविदा कर्मचारियों का विनियमिमिकरण किया जा चुका है एवं भोश आकस्मिक/संविदा कार्मिकों के विनियमितिकरण की कार्यवाही प्रक्रिया मे है।
 - निगम द्वारा कर्मचारी कल्याण निधि से नियमित कार्मिकों के बच्चों (एक कार्मिक के अधिकतम दो बच्चों) को उच्च िाक्षा में दी जाने वाली ट्यूान फीस का 50 प्रतिात निगम द्वारा प्रदान किया जाता है।
 - निगम में कार्यरत नियमित कार्मिकों के प्रथम पुत्री के जन्म पर रू0–5,100.00(रूपये पाँच हजार एक सौ) मात्र एवं पुत्री की भादी/विवाह हेतु रूपये–21,000.00 (रूपये इक्कीस हजार) का अनुदान दिये जाने की स्वीकृति संचालक मण्डल द्वारा दिनांक 09–12–2020 को प्रदान की गयी है।
-